राजकीय महाविद्यालय केकड़ी में विज्ञान संकाय के तत्वावधान में वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन तकनीक,जल और मिट्टी विश्लेषण पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

राजकीय महाविद्यालय केकड़ी में विज्ञान संकाय के तत्वावधान में वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन तकनीक,जल और मिट्टी विश्लेषण पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य श्री पीयूष गुप्ता जी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। मां सरस्वती की आराधना के पश्चात कोमल सोनी द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। डॉ. दिनेश अरोड़ा, प्रोफेसर (एग्रोनॉमी) एआरएसएस, तबीजी, अजमेर श्री करण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का आरंभ करते हुए बताया कि वर्मी कंपोस्ट उत्पादन से जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा। इससे मृदा एवं पर्यावरण प्रदूषण से भी राहत मिलती है। आजकल असंतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करने से पौधों में कई तरह की समस्याएं पैदा होती हैं। इसके नियंत्रण के लिए अनेक कीटनाशक का प्रयोग असंतुलित मात्रा में होता है, जो मानव के साथ-साथ अन्य जीवों पर सीधे प्रभाव डालता है। इसके दुष्परिणाम से मिट्टी, पानी एवं वायु सभी प्रदूषित हो जाते हैं। इससे बचाव के लिए हमें जैविक एवं प्राकृतिक खेती की तरफ बढ़ने की जरूरत है। वर्मी कंपोस्ट का उत्पादन एक जन कल्याणकारी कार्य साबित होगा और इसे बढ़ाने के लिए हमें सार्थक प्रयास करना चाहिए। इस मुहिम में जीविका दीदियों का अहम रोल है, क्योंकि गांव में वह स्वयं वर्मी कंपोस्ट का उत्पादन कर ग्रामीणों को प्रोत्साहित कर सकती हैं।

वैज्ञानिक डा. रघुवीर पोरवार, केवीके, तबीजी, अजमेर ने वर्मी कंपोस्ट उत्पादन के लिए आवश्यक सामग्री, उसका उपयोग एवं प्रबंधन पर जानकारी दी। उन्होंने वर्मी कंपोस्ट का भौतिक, जैविक एवं रासायनिक गुण तथा उसका मृदा, पानी एवं पर्यावरण के प्रभाव पर प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर डॉ. प्रताप पिंजानी ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधि पर्यावरण के सतत विकास के लिए लाभदायक है। डॉ. अनिल गुप्ता ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधि पोस्ट ग्रेजुएशन प्रोग्राम के विस्तार व्याख्यान के लिए आवश्यक है।डॉ.चेरी मैथ्यू ,एग्रीकल्चर कॉलेज, केकड़ी ने छात्रों का मार्गदर्शन किया। डॉ. शिखा माथुर, कोमल सोनी, रजनी यादव, डॉ. नमिता शर्मा, डॉ. भवर सिंह,एच भाटी जी और डॉ. नरेंद्र चौधरी ने कार्यशाला में सहयोग प्रदान किया। उपस्थित सभी छात्रों ने उत्साह के साथ कार्यशाला में भाग लिया। विज्ञान ब्लॉक में सफाई के माध्यम से राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ अनीता रायसिंघानी और डॉ नीता चौहान ने छात्रों के सहयोग से कच्ची खाद सामग्री प्रदान कराई । डॉ. नीता चौहान महिला प्रकोष्ठ प्रभारी ने कहा कि वर्मी कंपोस्ट के माध्यम से सभी महिलाएं घर से अपना व्यवसाय शुरू कर सकती है।आर्थिक रूप से सशक्त महिला भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में अपना योगदान दे सकती हैं। कार्यशाला में राज कुमावत द्वारा तकनीकी सहायता प्रदान की गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शिखा माथुर तथा धन्यवाद एमएससी जूलॉजी की छात्रा आरती सैनी द्वारा किया गया।

विज्ञान संकाय
राजकीय महाविद्यालय, केकड़ी (अजमेर)

विज्ञान संकाय
राजकीय महाविद्यालय, केकड़ी (अजमेर

विज्ञान संकाय
राजकीय महाविद्यालय, केकड़ी (अजमेर)

विज्ञान संकाय
राजकीय महाविद्यालय, केकड़ी (अजमेर)

विज्ञान संकाय
राजकीय महाविद्यालय, केकड़ी (अजमेर)

विज्ञान संकाय
राजकीय महाविद्यालय, केकड़ी (अजमेर)

विज्ञान संकाय
राजकीय महाविद्यालय, केकड़ी (अजमेर)